अनुक्रमांक .....मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

नाम.....

103 303 (QA)

2021

संस्कृत

समय : तीन घंटे 15 मिनट पूर्णांक : 100

निर्देश : प्रारंभ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं |

1. निम्नलिखित गद्य - खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- $2 \times 5 = 10$

अत्रान्तरे कंचुकी समागत्य महाश्वेताम् अवोचत्- " आयुष्मति , देवः चित्ररथः देवी च मदिरा त्वां द्रष्टुम् आह्वयतः " इति । इत्येवम् अभिहिता गन्तुकामा महाश्वेता " सखि ! चन्द्रापीडाः क्वास्ताम् ? " इति कादम्बरीम् अपृच्छत् । असौ तु "सखि महाश्वेते, किमेवम् अभिदधासि? दर्शनादारभ्य शरीरस्याप्ययमेव प्रभुः किमुत भवनस्य विभवस्य परिजनस्य वा - यत्रास्मै रोचते प्रियसखीहृदयाय वा , तत्र अयम् आस्ताम् " इत्यवदत् । तत् श्रुत्वा महाश्वेता " तत् अत्रैव <u>त्वत्प्रासादसमीपवर्तिनि प्रमदवने क्रीडापर्वतकमणिवेश्मनि आस्ताम्</u> " इत्यभिधाय , गन्धर्वराजं द्रष्टुं ययौ । चन्द्रापीडोऽपि तयैव सह निर्गत्य , केयूरकेण उपदिश्यमानमार्गः , मणिमन्दिरम् अगात् ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश की पुस्तक और लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) कः समागत्य महाश्वेताम् अवोचत् ?

(iii) देवः चित्ररथः देवी च मदिरा कां द्रष्टुम् आह्वयतः?

(iv) "त्वत्प्रासादसमीपवर्तिनि प्रमदवने क्रीडापर्वतकमणिवेश्मनि आस्ताम् । "

रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए ।

(v) चन्द्रापीडः केन उपदिश्यमानमार्गः मणिमन्दिरम् अगा ?

अथवा

" कुमार! शेषनामा हारोऽयं भगवता अम्भसा पत्या गृहम् उपगताय प्रचेतसे दत्तः । पाशभृतापि गन्धर्वराजाय , गन्धर्वराजेनापि कादम्बर्यै , तयापि त्वद्वपुः अस्य अनुरूपमिति विभावयन्त्या अनुप्रेषितः । अतः अर्हति इयम् बहुमानं त्वत्तः महाश्वेतयापि कुमारस्य संदिष्टम् न खलु महाभागेन मनसापि कार्यः कादम्बर्याः प्रथमप्रणयभङ्गः इति उक्त्वा तं तस्य वक्षःस्थले बबन्ध । चन्द्रापीडस्तु , विस्मयमानः प्रत्यवादीत् " मदलेखे , निपुणासि । जानासि ग्राहयितुम् । उत्तरावकाशम् अपहरन्त्या कृतं वचसि कौशलम् ' इत्युक्त्वा कादम्बरीसंबद्धाभिरेव कथाभिः सुचिरं स्थित्वा , विसर्जयांवभूव मदलेखाम् ।

(i) उपर्युक्त गद्यांशस्य पुस्तकं लेखकं च नाम लिखत ।

(ii) " मदलेखेनिपुणासि । जानासि ग्राहयितुम् । ' उत्तरावकाशम् अपहरन्त्या

कृतं वचसि कौशलमः । ' रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए ।

(iii) हारस्य किं नामास्ति ?

(iv) भगवता अम्भसा पत्या गृहम् उपगताय हारं कस्मै दत्तः?

(v) चित्ररथः हारं कस्मै दत्तः?

2. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र - चित्रण लिखिए- 4

(अधिकतम 100 शब्द)

(i) कादम्बरी (ii) पुण्डरीक (iii) पत्रलेखा

3. ' कादम्बरी ' के गद्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम 100 शब्द) 4

4. निम्नलिखित प्रश्नों का सही विकल्प चुनकर लिखिए - $1 \times 2 = 2$

(अ) प्रहृष्टचेताः कः अबवीत- " केयूरक ! करतलवर्तिनी सिद्धिम् अवधारय ? "

(i) शुकनासः (1) तारापीडः

(iii) कपिञ्जलः (iv) चन्द्रापीडः

(आ) गन्धर्वराजपुत्री का आसीत् ?

(i) तरलिका (ii) मदलेखा

(ii) पत्रलेखा (iv) कादम्बरी

5. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए - 2 + 5 = 7

(अ) निशम्य देवानुचरस्य वाचं मनुष्यदेवः पुनरप्युवाच ।

धेन्वा तदध्यासितकातराक्ष्या निरीक्ष्यमाणः सुतरां दयालुः ।।

(आ) तं विस्मितं धेनुरुवाच साधो मायां मयोद्भाव्य परीक्षितोऽसि ।

ऋषिप्रभावान्मयि नान्तकोऽपि प्रभुः प्रहर्तुं किमुतान्यहिंस्राः ।।

6. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए- 2 + 5 = 7

(अ) सेयं स्वदेहार्पणनिष्क्रयेण न्याय्या मया मोचयितुं भवत्तः ।

न पारणा स्याद्विहता तवं भवेदलुप्तश्च मुनेः क्रियार्थः ।।

(आ) तस्मिन् क्षणे पालयितुः प्रजाना मुत्पश्यतः सिंहनिपातमुग्रम् ।

अवामुखस्योपरि पुष्यवृष्टिः पपात विद्याधरहस्तमुक्ता ।।

7. महाकवि कालिदास की काव्य - शैली की हिन्दी अथवा संस्कृत में विवेचना कीजिए ।

(अधिकतम 100 शब्द) - 3

8. निम्नलिखित दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(अ) (कामधेनुः) नन्दिनी कस्य ऋषे धेनुः आसीत् ? 1

(i) विश्वामित्रस्य (ii) वशिष्ठस्य

(iii) दिलीपस्य (iv) कण्वस्य

(आ) दिलीपस्य पत्न्याः नाम किं आसीत् ? 1

(i) वसुमती (ii) सुदक्षिणा

(iii) सुदाक्षिणा (iv) दमयन्ती

9. अधोलिखित से किसी एक अंश का हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए - 2 + 5 = 7

(अ) रम्यान्तरः कमलिनीहरितः सरोभि

श्छायादुर्नियमितार्कमयूखतापः ।

भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः ।

शान्तानुकूलपवनच शिवश्च पन्थाः ।।

(आ) शुश्रूषस्व गुरुन कुरु प्रियसखीवृत्ति सपत्नीजने

भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया या स्म प्रतीपं गमः ।

भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्यावनुत्सेकिनी

यान्त्येव गृहिणीपदं युवतया वामाः कुलस्याधयः ।।

10. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ - सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए- 2 + 5 = 7

(i) न खलु धीमतां कश्चिद्विषयो नाम ।

(ii) अपसृत पाण्डुपत्रा मुञ्चन्तयश्रूणीव लताः ।

(iii) अतिस्नेहः पापशङ्की ।

11. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का वैशिष्ट्य हिन्दी या संस्कृत में निरूपित कीजिए । 4

(अधिकतम 100 शब्द)

12. निम्नलिखित प्रश्नों का उचित विकल्प चुनिए –

(अ) शकुन्तला केन शप्ताऽभूत ? 1

(i) कण्वः (ii) दुर्वासाः

(iii) गौतमी (iv) विश्वामित्रः ।

(आ) प्रस्थानकाले शकुन्तलया सह गच्छति ? 1

(i) प्रियंवदा (ii) अनसूया

(iii) गौतमी (iv) मेनका ।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों का संस्कृत में निबन्ध लिखिए- 10

(i) विद्या ददाति विनयम् ।

(ii) संस्कृतभाषायाः महत्वम् ।

(iii) आतंकवादः ।

(iv) परोपकारः ।

14. उपमा अलङ्कार की परिभाषा हिन्दी अथवा संस्कृत में लिखिए । 3

अथवा

उपमा अलङ्कार का उदाहरण संस्कृत में लिखिए ।

15. अधोलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए- 8

(i) छात्र अध्यापक से प्रश्न पूछता है ।

(ii) भगवान को नमस्कार ।

(iii) नदी कोस भर टेढ़ी है ।

(iv) राधा चोरों से डरती है ।

(v) मनुष्यों में परोपकारी ही प्रशंसनीय है ।

(vi) ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं होती ।

16. (अ) अधोलिखित रेखाङ्कित पदों में से किसी एक में नियम - निर्देश का उल्लेख कीजिए - 2

(i) <u>हरये</u> रोचते भक्तिः ।

(ii) <u>अक्ष्णा</u> काणः ।

(iii) <u>पुष्पेभ्यः</u> स्पृहति ।

(आ) <u>' शिष्याय</u> स्वस्ति ' में शिष्याय में विभक्ति है- 1

(i) प्रथमा (ii) तृतीया

(iii) चतुर्थी (iv) सप्तमी

17. (अ) निम्नलिखित पदों में से किसी एक पद में विग्रह कीजिए – 2

(i) लक्ष्मीपतिः

(ii) पाणिपादम्

(iii) घनश्यामः

(आ) ' कृष्णसर्पः ' में कौन - सा समास है ?

(i) तत्पुरुष (ii) कर्मधारय

(iii) द्वन्द्व (iv) द्विगु

18. (अ) ' रमेशः ' शब्द में किस सूत्र से सन्धि कार्य होता है ? 2

(आ) ' यद्यपि ' में सन्धि - विधायक सूत्र है – 1

(i) आद्गुणः (ii) वृद्धिरेचि

(iii) इकोयणचि (iv) एङि पररूपम्

19. (अ) ' हरौ ' हरि प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं किस वचन का रूप है ? 2

(आ) ' पितृ ' शब्द का सप्तमी , एकवचन का रूप होता है – 1

(i) पिते (ii) पितरि

(iii) पितरौ (iv) पितृषु

20. (अ) " पठताम् ' रूप ' पठ् ' धातु के किस लकार , पुरुष एवं वचन में होता है ? 2

(आ) ' शी ' धातु के लट् लकार , प्रथम पुरुष , बहुवचन का रूप है- 1

(i) शेते (ii) शयाते

(iii) शेरते (iv) शयाथे ।

21. (अ) ' गन्तुम् ' पद में प्रयुक्त प्रकृति - प्रत्यय है – 1

(i) गम् + क्त (ii) गम् + क्त्वा

(iii) गम् + तुमुन् (iv) गम् + क्त्वतु ।

(आ) ' पठ् ' धातु में ' शतृ ' प्रत्यय लगाने पर रूप बनेगा – 1

(i) पठमानः (ii) पठन्

(iii) पठित्वा (iv) पठितुम् ।

22. अधोलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का वाच्य परिवर्तन कीजिए- 2

(i) तेन पुस्तकं पठ्यते ।

(ii) सः ग्रामं गच्छति ।

(iii) त्वं पत्रं लिखसि ।

Gyansindhu Coaching Classes

Model Paper Prepared By :

Arunesh Sir

चैनल लिंक –

https://www.youtube.com/channel/UCBEWNQ637WdCBl6S4KCIzZQ

वेबसाइट लिंक - https://gyansindhuclasses.com/

फेसबुक पेज लिंक - https://www.facebook.com/Gyansindhu-Coaching-Classess-172631304514334/